



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 575]
No. 575]

नई दिल्ली, बुध्दतिवार, नवम्बर 3, 1988/कार्तिक 12, 1910
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 3, 1988/KARTIKA 12, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1988

अधिसूचना

मा.का.नि. 1057(अ):—केन्द्रीय सरकार का अब समाधान हो गया है कि दवा
के उपचार के लिए नियत मात्रा में संयोजन औषधियों में स्टिराइड्स के दीर्घकालीन उपयोग से
मनुष्यों को जोखिम की सम्भावना है और ऐसी विनिमित्तियों का चिकित्सीय औचित्य नहीं है ;

और केन्द्रीय सरकार का अब यह भी समाधान हो गया है कि आन्तरिक उपयोग
के लिए क्लोरम्फेनिकल के नियत मात्रा में संयोजन से मनुष्यों का जोखिम की सम्भावना
है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लाकहित में यह आवश्यक और
समीचीन है कि पूर्वोक्त औषधियों के विनिर्माण और विक्रय का प्रतिपिद्ध किया जाए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 26क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 578(अ), तारीख 23 जुलाई, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के नीचे सारणी में मद 14 और मद 15 के स्थान पर निम्नलिखित मदें रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“14. आन्तरिक उपयोग के लिए किसी अन्य औषधि के साथ कोर्टिकोस्टेराइड का नियत मात्रा में संयोजन।

15. आन्तरिक उपयोग के लिए किसी अन्य औषधि के साथ क्लोराम्फेनिकाल के नियत मात्रा में संयोजन।

[सं. एक्स. 11014/2/88-डी.एम.एस. और पी.एफ.ए.]

श्रीमती विनीता राय, संयुक्त सचिव

टिप्पण:—भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. सं. 578(अ), तारीख 23 जुलाई, 1983 का संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3(i) में प्रकाशित निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा किया गया, अर्थात्:—

1. सा.का.नि. 49(अ) तारीख 31-1-1984
2. सा.का.नि. 322(अ) तारीख 3-5-1984
3. सा.का.नि. 863(अ) तारीख 22-11-1985
4. सा.का.नि. 700(अ) तारीख 15-6-1988

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 3rd November, 1988

NOTIFICATION

G.S.R. 1057 (E).—Whereas the Central Government is now satisfied that long terms use of steroids in fixed dose combinations drugs for treatment of asthma is likely to involve risk to human beings and such formulations do not have therapeutic justification :

And whereas the Central Government is now also satisfied that fixed dose combinations of chloramphenicol for internal use is likely to involve risk to human beings :

And, whereas the Central Government is satisfied that it is necessary and expedient in public interest to prohibit the manufacture and sale of the drugs aforesaid.

Now, therefore, in exercise of powers conferred by section 26A of the Drugs & Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940) the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Health and Family Welfare No. G.S.R. 578 (E), dated 23rd of July, 1983 namely :—

In the Table under the said notification for items 14 and 15 the following items shall be substituted namely :—

“14. Fixed dose combination of corticosteroids with any other drug for internal use.

15. Fixed dose combinations of Chloramphenicol with any other drug for internal use.”

[No. X-11014/2/88 DMS&PFA]

SMT. VINEETA RAI, Jt. Secy.

Note : Government of India Ministry of Health & Family Welfare Notification No. G.S.R. 578 (E), dated 23rd July, 1983 was amended by the following notification published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3(i), namely :—

1. G.S.R. 49 (E), dated 31-1-1984.
2. G.S.R. 322 (E), dated 3-5-1984.
3. G.S.R. 863 (E), dated 22-11-1985.
4. G.S.R. 700 (E), dated 15-6-1988.

